युवाओं को बताए स्टार्टअप में करियर के अवसर

सीआईएमपी में कार्यक्रम : आइडिएशन चैलेंज में 5 छात्रों को किया गया सम्मानित

पटना | चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) की ओर से स्टार्टअप आउटरीच कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा विभाग लगभग 70 व्यावसायिक इकाई या स्टार्टअप पर काम कर रहा है। संस्थान का इंक्यूबेशन सेंटर स्टार्टअप के क्षेत्र में भविष्य बनाने वाले युवाओं का मददगार बन रहा है। उद्योग विभाग के निदेशक पंकज दीक्षित ने कहा कि स्टार्टअप के विचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने कहा कि बिहार में स्टार्टअप तेजी से बढ़ रहा है। स्टार्टअप पॉलिसी सक्सेस वीडियो का प्रदर्शन किया गया। स्मार्टवे इलेक्ट्रॉनिक्स के बिभूति विक्रमादित्य और सिस्लुनार जानकी प्रा. लिमिटेड की ऋचा वात्स्यायन को एक प्रतिष्ठित स्टार्टअप के रूप में आंका गया। आइडिएशन चैलेंज के दौरान विचारों को प्रस्तुत करने के लिए भाग लेने वाले 5 छात्रों को सम्मानित किया गया। सौरभ कुमार को पहला, दिव्या आनंद को दूसरा, श्रेया अंबष्ठ को तीसरा, अंजनी कुमार को चौथा और हर्ष पटेल को पांचवां पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह।

Dainik Bhaskar ! Page.No-02 ! Dated:18-11-2022

सीआईएमपी ने स्टार्ट-अप आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की

पटना (आससे)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) ने उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित स्टार्ट-अप आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की। पंकज दीक्षित (आईएएस) निदेशक, उद्योग, बिहार सरकार और दीपक कुमार सिंह, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग कार्यक्रम में उपस्थित थे। स्वागत भाषण प्रो. (डॉ.) राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने प्रस्तावित किया। डॉ. सिंह ने अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों का स्वागत किया। डॉ. सिंह ने अपने संबोधन में स्टार्ट-अप के महत्व का उल्लेख किया और बिहार में स्टार्ट-अप पर ध्यान केंद्रित किया और यह भी उल्लेख किया कि वे सभी स्टार्ट-अप के लिए कितनी उत्सुकता से काम कर रहे हैं। आगे, पंकज दीक्षित (आईएएस) निदेशक, उद्योग, बिहार सरकार ने अपने संबोधन में भाषा की बाधाओं की बात की लेकिन यह भी कहा कि संवाद करना कितनाअधिक महत्वपूर्ण है और उसमे भाषा कोई बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नीतियों के क्रियान्वयन की भी बात की और कहा कि क्रियान्वयन में ज्यादा समय नहीं लगेगा। दीपक कुमार सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा विभाग ने लगभग 70 व्यावसायिक इकाई या स्टार्ट-अप के बारे में बात की, जो सीआईएमपी इनक्यूबेशन सेंटर से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप का विचार सक्रिय दिमाग में विकसित हो सकता है और छात्रों को नए विचारों को पैदा करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। उन्होंने जीवन में महत्वाकांक्षी होने को भी कहा जिसके लिए सक्रिय और सतर्क दिमाग की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान स्टार्ट-अप पॉलिसी सक्सेस वीडियो का प्रदर्शन किया गया। आइडिएशन चैलेंज के दौरान विचारों को प्रस्तुत करने के लिए भाग लेने वाले सीआईएमपी के शीर्ष 5 छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

AAJ ! Page.NO-08 ! Dated:18-11-2022

नए आइडिया को स्वस्थ मस्तिष्क जरूरी

- चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान में स्टार्टअप पर कार्यक्रम हुआ
- नीति के प्रावधानों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। बिहार की स्टार्टअप नीति के प्रावधानों से चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए कॉलेज आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन गुरुवार को किया गया।

उद्योग विभाग द्वारा संस्थान के सभागार में कराए गए इए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि नए आइडिया के लिए स्वस्थ मस्तिष्क का होना जरूरी है। स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर आवश्यक है। इसलिए अध्ययन के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी बराबर ध्यान देना जरूरी है। श्री सिंह ने कहा कि नवाचार की संभावनाएं हर तरफ है। हमें अपने मस्तिष्क को आसपास के वातावरण के प्रति खुला रखना है। समस्याओं की सही परख और उनके समाधान के लिए चिंतन से नए आइडिया आते हैं। नवाचारों को बाजार की मांग के हिसाब से ढालने से स्टार्टअप को यूनिकॉर्न की ओर ले जाया जा सकता है।

उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित ने कहा कि नवाचार के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। नए आइडिया को विकसित करने और उस पर काम करने के लिए बिहार स्टार्टअप फंड से 10 लाख तक का कैपिटल सीडफंड उद्योग विभाग द्वारा दिया जा रहा है। उद्योग विभाग द्वारा नवाचार प्रतियोगिता हुई, जिसमें सौरभ कुमार ने प्रथम, दिव्या आनंद ने द्वितीय, श्रेया अंबष्ठ ने तृतीय तथा अंजनी कुमार और हर्ष पटेल ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। मौके पर उद्योग विभाग के विशेष सचिव दिलीप कुमार, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार आदि भी मौजूद थे।

Hindustan ! Page.No-06 ! Dated:18-11-2022

CIMP hosted Start-up Outreach Programme

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management Patna (CIMP), hosted Start-up Outreach Programme organized by state's Departmet of Industry.

Pankaj Dixit (IAS) Director, Industries, and Dipak Kumar Singh, IAS, Additional Chief Secretary, Department of Education were present in the programme. Welcome address was given by Prof.(Dr.) Rana Singh, Director, CIMP. He welcomed guests, other dignitaries and audience.In his address

Dr. Singh mentioned the importance of start-ups and focused towards Start-ups in Bihar and also mentioned about how eagerly they all are working for start-ups.

Pankaj Dixit (IAS) Director, Industries, talked about language barriers. He also said that more important is to communicate and language should not be any barrier.

Industries Director also talked about execution of policies. He said that execution will not take much time. He also talked about mission to take Bihar to new heights so the ideas can have wings and ultimately people of Bihar can feel proud. Interacting with students, Dixit encouraged them to incubate start-up ideas as this is age where implementing of any ideas can be much smoother.

Later in the day, Dipak Kumar Singh, Additional Chief Secretary, Dept. of Education, talked about around 70 business entity or start-ups which get benefited from CIMP Incubation Centre. He said that start-up idea can grow in active minds and also encourages students to work towards generating new ideas. He also said to be ambitious in life which needs active and alert mind.

Top five participating students of CIMP were awarded. Saurav Kumar got first prize while Divya Anand got second place while Shreya Ambastha remained on third place.

Kumod Kumar, Chief Administrative Officer, CIMP proposed vote of thanks. Faculty members, students, staffs and others were present during session.

Morning India ! Page.No-02 ! Dated: 18-11-2022

नयी आइडिया के लिए स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मस्तिष्क आवश्यक : दीपक

पटना/का.सं। उद्योग विभाग द्वारा बिहार की स्टार्टअप नीति के प्रावधानों से चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना के विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए कॉलेज आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन संस्थान के सभागार में किया गया जिसमें शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, उद्योग विभाग के निदेशक पंकज दीक्षित, विशेष सचिव दिलीप कुमार, चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. राणा सिंह, संस्थान के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कुमोद कुमार आदि ने भाग लिया। आउटरीच कार्यक्रम में संस्थान के सदस्यों को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि नए आइडिया के लिए स्वस्थ मस्तिष्क का होना जरूरी है। स्वस्थ मस्तिष्क के लिए स्वस्थ शरीर आवश्यक है। इसलिए अध्ययन के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी बराबर ध्यान देना जरूरी है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए अच्छी निद्रा, लगातार पानी पीना और बॉडी का सही पोस्चर आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नवाचार की संभावनाएं हर तरफ है। हमें अपने मस्तिष्क को आसपास के वातावरण के प्रति खुला रखना है। समस्याओं की सही परख और उनके समाधान के लिए चिंतन से नए आइडिया उत्पन्न होते हैं। नवाचारों को बाजार की मांग के हिसाब से ढालने से स्टार्टअप को यूनिकॉर्न की ओर ले जाया जा सकता है। उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित ने कहा कि नवाचार के लिए उम्र की कोई सीमा नहीं होती है। नया आईडिया कभी भी आ सकता है। नए आइडिया को विकसित करने और उस पर काम करने के लिए बिहार स्टार्टअप फंड से ?10 लाख तक का कैपिटल

सीडफंड उद्योग विभाग द्वारा दिया जा रहा है। इसके अलावा नये स्टार्टअप की हैंड होल्डिंग, कॉमन वर्किंग स्पेस, कॉमन फैसिलिटी जैसी सुविधाएं विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं जिनका लाभ लेते हुए नए उद्यमियों को अपने स्टार्टअप को उड़ान देनी है। पंकज दीक्षित ने कहा कि असफलताओं से घबराना नहीं है। कोई पायलट बनकर उड़ना चाहता है। सफलता नहीं मिलती तो हो सकता है आगे कुछ बढ़िया हो। वही आदमी आगे जाकर विमान बनाने वाली कंपनी का मालिक और सीईओ भी बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीवन में शिकायती दृष्टिकोण से अवसाद उत्पन्न होते हैं। इसलिए हम सब को कभी भी शिकायतों के मकड़जाल में नहीं उलझना चाहिए। मौके पर उद्योग विभाग द्वारा नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें सौरभ कुमार ने प्रथम, दिव्या आनंद ने द्वितीय, श्रेया अंबष्ठ ने तृतीय तथा अंजनी कुमार और हर्ष पटेल ने प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया।

Sanmarg ! Page.No-02 ! Dated:18-11-2022

महत्वाकांक्षी होने के लिए सक्रिय व सतर्क दिमाग की जरूरत : दीपक

बिहार की स्टार्टअप नीति के प्रविधानों से चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना के विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए कालेज आउटरीच प्रोग्राम शुभारंभ करते अतिथि। ● सौ : संस्थान

जासं, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआइएमपी) ने उद्योग विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित स्टार्ट-अप आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया। समारोह में उद्योग विभाग के निदेशक पंकज दीक्षित, शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह उपस्थित थे। सीआइएमपी के निदेशक डा. राण सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। दीपक कुमार सिंह ने कहा कि स्टार्ट-अप का विचार सक्रिय दिमाग में विकसित हो सकता है। विद्यार्थियों को नए विचार पैदा करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। जीवन में महत्वाकांक्षी होने के लिए सक्रिय और सतर्क दिमाग की जरूरत है।

पंकज दीक्षित ने भाषा बाधाओं पर बात करते हुए कहा कि संवाद करना अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नीतियों के क्रियान्वयन में ज्यादा समय नहीं लगेगा। आइडिएशन चैलेंज के दौरान विचारों को प्रस्तुत करने के लिए सीआइएमपी के पांच विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

Dainik Jagran ! Page.NO-06 ! Dated:18-11-2022

स्टार्ट अप के विचारों को अपनाएं विद्यार्थी

पटना (एसएनबी)। चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना (सीआईएमपी) ने उद्योग विभाग द्वारा आयोजित स्टार्ट-अप आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की। पंकज दीक्षित निदेशक, उद्योग और दीपक कुमार सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, शिक्षा कार्यक्रम में उपस्थित थे। स्वागत भाषण प्रो. राणा सिंह, निदेशक, सीआईएमपी ने प्रस्तावित किया। डॉ सिंह ने स्टार्ट-अप के महत्व का उल्लेख करते हुए बिहार में स्टार्ट-अप पर ध्यान केंद्रित किया।

पंकज दीक्षित निदेशक, उद्योग ने भाषा की बाधाओं की बात की। यह भी कहा कि संवाद करना कितना अधिक महत्वपूर्ण है और उसमें भाषा बाधा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने नीतियों के क्रियान्वयनं की बात करते हुए कहा कि क्रियान्वयन में ज्यादा समय नहीं लगेगा। बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के मिशन की भी बात की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्टार्ट-अप के विचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। दीपक कुमार सिंह, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ने लगभग 70 व्यावसायिक इकाई या स्टार्ट-अप के बारे में बात की जो सीआईएमपी इनक्यूबेशन सेंटर से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप का विचार सक्रिय दिमाग में विकसित हो सकता है। छात्रों को नए विचारों को पैदा करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित भी करता है। उन्होंने जीवन में महत्वाकांक्षी होने को भी कहा जिसकें लिए सक्रिय और सतर्क दिमाग की जरूरत है। कार्यक्रम के दौरान स्टार्ट-अप पॉलिसी सक्सेस वीडियो का प्रदर्शन किया गया। स्मार्टवे इलेक्ट्रनिक्स के बिभूति विक्रमादित्य और सिस्लुनार जानकी प्रा. लि. की ऋचा वात्स्यायन को प्रतिष्ठित स्टार्ट-अप के रूप में आंका गया। आइडिएशन चैलेंज के दौरान विचारों को प्रस्तुत करने के लिए भाग लेने वाले सीआईएमपी के शीर्ष पांच छात्रों को सम्मानित किया गया। सौरव कुमार को प्रथम , दिव्या आनंद को दूसरा, श्रेया अंबष्ठ को तीसरा, अंजनी कुमार को चौथा एवं हर्ष पटेल को पांचवां पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंत में कुमोद कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, सीआईएमपी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

सीआईएमपी ने की स्टार्ट-अप आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी

Rashtriya Sahara ! Page.No-02
Dated:18-11-2022